

RV. 5, 2, 8. दिवो ऽपि हृषीयते (lies हृ°) वीरवती न भूमिः schämt sich nicht vor so v. a. kann den Vergleich vertragen mit BRÄT. 2, 38. — Vgl. अहृषीयमान.

हृषीया (von हृषीय्) f. = अर्त्तन, हृतीया, घृषा AK. 3, 3, 32.

हृत् (von 1. हृ) 1) adj. am Ende eines comp. bringend (z. B. in बलि°); raubend, stehend: तैल° JĀG. 3, 211. परस्व° VARĀH. BRH. S. 8, 52, 15, 16. benehmend, vertreibend: भय° MBH. 13, 4027. शोफ° SUÇA. 1, 189, 18. संसार° Spr. (II) 6638. पाप° RĪĀA-TAR. 4, 104. अरितेवो° PAÑĀĀ. 4, 3, 85. — 2) m. Divisor GOLĀDHJ. JANTRĀDH. 33. — Vgl. कलङ्क°, कुष्ठ°, धन°, फण्ण°, बलि°, भगनेत्र°, मेघ°, रोग°, व्रण°, शल्य°, भूल°, सुधा°.

हृति (wie eben) f. VOP. 26, 183. = हृण H. an. 3, 232. MED. p. 87. 1) Wegnahme, Raub: धन° VARĀH. BRH. S. 52, 6. सीत्त° Verz. d. Oxf. H. 29, b, 4. RĪĀA-TAR. 2, 107. जीवित° Spr. (II) 2772. — 2) Vernichtung (Gegens. कृति): सृष्टिर्हृतिर्न VOP. 5, 28. — 3) in der Astr. Bruchstück, Theil, Bez. einer best. Linie eines best. Dreiecks auf der Himmelskugel GAÑITĀDHJ. TRIPRAÇH. 34. यदूर्काद्यास्तमूत्रयोरत्तरं सा च हृतिरुच्यते COMM. GOLĀDHJ. TRIPRAÇH. 47. fgg.

हृत्कम्प (हृद् + कम्प) m. Herzklopfen BHADRĀKĀLĪKĀVĀĀ im ÇKDR. हृत्तैस् (von हृद्) abl. vom Herzen RV. 10, 11, 6.

हृत्ताप (हृद् + ताप) m. Seelenschmerz MBH. 3, 47383. BHĀG. P. 1, 15, 27.

हृत्पङ्कज n. die Lotusblüthe des Herzens so v. a. das Innerste des Herzens Verz. d. Oxf. H. 149, b, 22.

हृत्पति m. der Herr der Herzen BHĀG. P. 1, 3, 35.

हृत्पत्र n. = हृत्पङ्कज Verz. d. Oxf. H. 149, b, 25.

हृत्पीडन n. Herzdrücken SUÇA. 1, 263, 21.

हृत्पीडा f. dass. SUÇA. 1, 156, 17. 263, 16. 2, 185, 14.

हृत्पुण्ड्रिक n. = हृत्पङ्कज KAIVALJOP. bei MUIR, ST. 4, 304. COMM. zu R. 7, 60, 14.

हृत्पुष्कर n. dass. MAITRAJUP. 6, 1, 2.

हृत्प्रतिष्ठ adj. im Herzen d. i. Innern wohnend: मनस् VS. 34, 6.

हृत्प्रिय adj. dem Herzen lieb H. an. 2, 391. MED. j. 65.

हृत्स्तम्भ m. Unthätigkeit des Herzens KĀRĀKA 11, 1.

हृत्स्वम् (हृत्सु + अस् = 2. अस्) adj. in's Herz treffend RV. 1, 84, 16.

हृद् n. Declination P. 6, 1, 63. VOP. 3, 39. 89. Bildung der Derivata von Wörtern, die auf हृद् ausgehen, P. 7, 3, 19. 1) Herz, namentlich als Sitz der Empfindungen, überh. geistiger Vermögen und Vorgänge AK. 1, 1, 4, 9. 2, 6, 2, 15. H. 603. 623. 1369. MED. d. 17. तदप्यं कर्तौ हृद् आ वि चेषे RV. 1, 24, 12. Sitz der Furcht 32, 14. 9, 53, 2. हृत्सु कर्तुम् 5, 85, 2. 10, 64, 2. हृदो अस्त्वत्तरम् 7, 101, 5. वोचम् शर्त्तमं हृदे 1, 43, 1. हृदा मतिं ज्ञेये 10, 91, 14. 119, 5. बुष्टानि मनसि हृदे च 1, 73, 10. 4, 37, 2. स्तोमो हृदा तष्टः 1, 171, 2. 2, 35, 2. 3, 39, 1. 4, 43, 1. 6, 16, 47. अर्त्तहृदा मनसा पूयमानः 4, 58, 6. AV. 4, 39, 10. हृत्सु ज्ञानीय मर्त्यम् RV. 8, 18, 15. 10, 103, 12. मन्द्र 8, 43, 31. 4, 116, 17. 146, 4. 3, 26, 8. 5, 4, 10. 6, 28, 5. 8, 89, 5. 9, 73, 8. 10, 177, 1. VS. 6, 25. कामा वै हृदि स्थिताः ÇAT. BR. 14, 7, 9, 9. TS. 2, 3, 9, 1. अग्ने यन्ते परं हृत्सामं 4, 4, 2, 2. वाचस्पतेर्हृत् TBH. 2, 2, 2, 4. KAUC. 42. ĀÇV. GRHJ. 3, 6, 8. KAṬHOP. 6, 9 (ÇVETĀÇV. UP. 4, 20). ÇVETĀÇV. VII. Theil.

UP. 2, 8, s. वा एषो ऽस्माद्धृत्तरादकृतार्थो ऽमन्यतार्थानभ्रानीति MAITRAJUP. 2, 6. — अनुदातो हृदि (eig.) ज्ञेयः Citat im Comm. zu TS. PRĀT. 23, 17. WEBER, PRATIĀNĀS. 73. fg. इषुषा हृदि विनिर्भिन्नः R. 2, 64, 15. RAÇH. 3, 53. Spr. (II) 7409. हृदि संघातभूलवान् SUÇA. 1, 120, 18. 2, 464, 20. 465, 18. स्वज्ञातानां हृदि (Herzgegend) संघर्त्तां चिरम् Spr. (II) 5849. हृदि कृत्वा नु बहुशस्तमलंकारम् R. 4, 5, 16. Verz. d. Oxf. H. 108, b, 25. हृदस्तयोरत्तरे SUÇA. 2, 450, 18. VARĀH. BRH. S. 8, 19. 51, 9. 25. 43. 66, 2. VET. in LA. (III) 13, 15. BHĀG. P. 3, 12, 11. 6, 8, 5. त्वया मच्छूलनिर्भिन्नदषहृदा 11, 14. हृत्कर्त्तरीसमम् Spr. (II) 4882, v. 1. हृत्स्फोट s. u. स्फोट 1) a). श्रावसतात्स हृत्तः VOP. 5, 2. हृत्कर्त्तागामी 26. अशक्नुवन्नलः कामं तदा धारयितुं हृदा MBH. 3, 2089. अन्नर्गतमपि व्याख्याति हृदयं हृदा R. 1, 77, 27. तेने ब्रह्म हृदा य आदिकवये BHĀG. P. 1, 1, 1. उपगुह्य 2, 2, 18. प्रणिधाय मनो हृदि 1, 6, 20. हृदि प्रियं न विन्दामि MBH. 3, 2594. हृदि वीक्षतः R. 1, 2, 19. सा हि मे नित्यशो हृदि MBH. 3, 3045. हृद्यासीम्मे शनैर्हरिः BHĀG. P. 1, 6, 17. कामानां हृद्यसंरोहः 7, 10, 6. हृद्यवेदिनः 3, 10, 19. स्वेष्टदेवतां हृदि स्मृत्वा ÇUK. in LA. (III) 36, 6. हृदि प्रविष्टया तत्प्रत्यागमवाञ्छया KATHĀS. 18, 230. सर्वं चाधारयेद्दृदि 2, 97. नित्यं स्थितस्ते हृद्येषु पुण्यपापेक्षिता मुनिः Spr. (II) 1439. 5311. विद्या प्रमादिनो गुह्यं दुर्धिषः u. s. w. न तिष्ठति चिरं हृदि 6090. इदं राष्ट्रं च सकलं जीवितं च हृदि स्थितम् R. 7, 60, 14. ममाप्येवं हृदि स्थितम् KATHĀS. 32, 4. सेवार्थमस्य सारभूतं हृदि स्थापितम् PAÑĀT. 13, 7. हृदि निधाय SARVADARÇANAS. 56, 9. हृदि नेयं (श्रापत्) त्वया कार्या R. 5, 78, 2. कोपस्त्वया हृदि कृतो यदि Spr. (II) 1937. 6878. KATHĀS. 22, 164. 32, 129. 34, 92. BHĀG. P. 1, 13, 57. हृदिकृत्य 10, 32, 8. हृत्कृत्वा (!) परमेष्ठिनम् Ind. St. 2, 48. — 2) Herz so v. a. das Innere des Körpers überh. (Brust und Magen insbes.; vgl. Herzstärkung, cordial): सोमः शर्मस्तु ते हृदे RV. 8, 17, 6. 2, 12. 48, 12. 10, 86, 15. 97, 15. सोमं रार्न्धि नो हृदि 1, 91, 13. 168, 3. 179, 5. 6, 53, 6. भेषजं मयामु नो हृदे 10, 186, 1. प्रियो मे हृदौ ऽसि TS. 3, 2, 5, 1. ÇAT. BR. 14, 5, 5, 4. 7, 1, 7. — Den Formen in den verwandten europäischen Sprachen entspreche ऋद्, nicht हृद्. Vgl. डर्हृद्, सर्व°, सु°.

हृद् = हृद् in सु°. हृद्ः MBH. 12, 4662 fehlerhaft für हृद्ः (so ed. Bomb.).

हृद्सैनि adj. Herz gebend so v. a. — stärkend, Muth machend: (सोमः) य इन्द्रस्य हृद्सैनिः RV. 9, 61, 14.

1. हृदय UNĀDIS. 4, 100. ÇĀNT. 3, 18. 1) n. SIDDH. K. 249, a, 15. am Ende eines adj. comp. f. झ। a) Herz eig. wie auch als Sitz geistiger Vorgänge AK. 1, 1, 4, 9. 2, 6, 2, 15. TRĪK. 3, 3, 324. H. 603. 623. 1369. an. 3, 513. MED. j. 114. HALĀS. 2, 379. selten in den ältern Büchern, wo हृद् üblich ist. In's Herz treffen RV. 6, 53, 5. 7. 8. 10, 87, 4. AV. 5, 20, 3. हृदयस्य प्रकृतैः RV. 7, 33, 9. नैव ते मनो हृदयं चाविदाम् 10, 10, 13. 34, 9. गिषं दधाना हृदयेषु 84, 7. 85, 47. सालावृक्षाणाम् 98, 15. हृदयं तप्यते मे 17. 163, 3. 191, 4. AV. 3, 8, 6. 20, 9. हृदयं शोषयामि ते 6, 139, 1. 10, 4, 25. उद्वेपमाना हृदयेन 5, 21, 2. यो वः शुष्मो हृदयेष्वन्तः 6, 73, 2. 76, 1. 9, 6, 2. 7, 11. 8, 8. 14. des Opferthiers VS. 39, 8. 19, 85. 21, 53. ÇAT. BR. 3, 8, 2, 3. fgg. अस्यां तहृदयं मनो दधाति 8, 5, 4, 3. 9, 1, 2, 40. 10, 5, 2, 11. 14, 5, 1, 21. 4, 11. 6, 20, 18. TBH. 1, 2, 1, 17. ĀÇV. GRHJ. 1, 8, 9. ०देश 13, 7. 21, 7. LĀṬJ. 2, 5, 6. KAUC. 11. 35. 45. 70. यास्य मेनिर्हृदये AIR. BR. 8, 24. ÇIKSHĀ 28. fg. in Ind. St. 4, 362. Hauptsitz des Blutes SUÇA. 1, 43, 5.